# नावा सोंच

(पंचपरगनिया काइब)

श्री राजकिशोर सिंह ''बुड़ूँआर''

# नावा सोंच

## (पंचपरगनिया काइब)


| | | |
|---|---|---|
| लिख'इआ | : | राजकिशोर सिंह |
| छापुवाइआ | : | नरेन्द्रजीत सिंह<br>आर<br>अम्बिका स्वाँसी |
| सउब अधिकार | : | लिख'इआक ठीने |
| परथम संसकरन | : | अप्रैल २४, २०१२ |
| मुद्रण | : | सुमुद्रण, राँची |
| परकासन | : | पंचपरगनिया भाषा विकास केन्द्रीय समिति बुण्डू, राँची (झारखण्ड) |
| दाम | : | संदोलिका मूल्य 60/- |

# अनुक्रमणिका


| क्र.स. | विषय | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | पाँच परगना | – | 1 |
| 2. | बीर बिरसा | – | 2 |
| 3. | दुखेक काथा | – | 3 |
| 4. | बेथा | – | 9 |
| 5. | दरद | – | 13 |
| 6. | चेठा हऐक | – | 14 |
| 7. | मएँ | – | 15 |
| 8. | जुआन आर जबान | – | 19 |
| 9. | नासन | – | 21 |
| 10. | जागेक सुर | – | 25 |
| 11. | आबाहन | – | 26 |
| 12. | सद्भावनाक फसल | – | 30 |
| 13. | गरजन | – | 31 |
| 14. | नावा सोंच | – | 33 |
| 15. | ज्योतिलाल महादानी | – | 35 |
| 16. | जिनगानी | – | 36 |
| 17. | गुलाँची | – | 40 |
| 18. | उटा कन ठाँई | – | 45 |
| 19. | सालाम | – | 47 |
| 20. | झारखण्डी गूँज | – | 49 |

# परिचय

| | | |
|---|---|---|
| नाम | : | राजकिशोर सिंह |
| पिता | : | स्व. राधागोविन्द सिंह |
| माता | : | स्व. राधारानी सिंह |
| जन्म तिथि | : | तेरह अक्टूबर उन्नीस सौ छप्पन (13.10.1956) |
| स्थाई पता | : | अस्पताल टोली<br>ग्राम – बुण्डू, पो.– बुण्डू<br>प्रखण्ड – बुण्डू, अनुमण्डल–बुण्डू<br>जिला – राँची (झारखण्ड) |
| शैक्षणिक योग्यता | : | इंटरमीडिएट (आई.ए.) |
| रचना विधा | : | कहानी, कविता, नाटक, उपन्यास, निबंध (पंचपरगनिया भाषा में) |
| प्रकाशन | : | मैट्रीक से लेकर पी.जी. तक के पुस्तकों में निबंध लेख कहानी कविता इत्यादि। विभिन्न पत्रिकाओं में भी रचनाओं का प्रकाशन के लिए। |
| तैयार पाण्डुलिपि | : | 1). इँजत (पंचपरगनिया उपन्यास<br>2). तुलसी चउरा (पंचपरगनिया निबंध)<br>सिबु बारात महाकाव्य (पंचपरगनिया) |
| संगीत विधा | : | विभिन्न प्रकार के पंचपरगनिया लोक संगीत एवं आधुनिक पंचपरगनिया संगीत को आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारण करना तथा लोगों में पारम्परिकता को बनाए रखना। |
| सम्प्रति | : | लोकसाहित्य और लोक संस्कृति के उत्थान के लिए पंचपरगनिया साहित्य और संगीत के सृजनात्मक कार्य में समर्पित। साथ ही पंचपरगनिया के पारंपरिक लोक गीतों के स्वरों को सुरक्षित रखने के लिए उनको सही स्वर लिपिबद्ध करना। |
| सम्पर्क | : | 9570021694 (M)<br>9234104187 (H) |